Wheat Wagons

*962. { Shri Jadhav:
Shri Nath Pai:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state whether it is a fact that the wheat wagons intended for Bihar from Kandla Port are sent to Delhi and then transhipped to Bihar?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): No. Sir.

उत्तरी बिहार में धान की फसलों को क्षति

*९८३. { श्री काशी नाथ पांडे :
श्री विभूति मिश्र :
श्री श्रीनारायण दास :
श्री राधा रमण :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार को यह पता है कि उत्तरी बिहार में हजारों एकड़ में खड़ी हुई धान की फसल गुन्डी मक्खी ने नष्ट कर दी है ;

(ख) क्या इस विषय में किसी अन्य राज्य सरकार से सूचना मिली है ;

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इन मक्खियों को मारने के लिये क्या कार्यवाही की है ; और

(घ) क्या यह सच है कि यदि इन मक्खियों को मारने के लिये तुरन्त उचित कार्यवाही न की गयी, तो लाखों एकड़ भूमि में खड़ी हुई धान की फसल नष्ट हो जायेगी ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क) अन्तिम प्राप्त जानकारी के अनुसार गुन्डी मक्खी ने उत्तरी बिहार की छोटी ज्वार और धान की फसल के लगभग १२६००० एकड़ के क्षेत्र में बहुत अधिक नुकसान पहुंचाया । लेकिन धान की फसल का क्षेत्र, जिसमें इसका असर हुआ है और इस बीमारी के हानि का अनुमान अभी मालूम नहीं है ।

(ख) जी हां , आसाम, मनिपुर, एन० ई० एफ० ए० और पूर्वीय उत्तर प्रदेश ।

(ग) राज्य और केन्द्रीय वनस्पति रक्षा संगठनों ने ज़मीन पर प्रयोग की जाने वाली मशीनों और वनस्पति रक्षा अवरोध और संचयन निदेशालय के द्वारा रखे हुये एक हवाई यूनिट की सहायता से बीमारी के क्षेत्र में कीट नाशक औषधियां छिड़की । कीट नाशक औषधिया और नियंत्रण का सामान किसानों में भी बांट दिया गया है और केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकारों को ऋण के रूप में कीट नाशक औषधियों की बहुत बड़ी मात्रा और बहुत सी स्प्रेइंग और डस्टिंग (praying and dusting) मशीनें दी है । वनस्पति रक्षा अवरोध और संचयन निदेशालय के टेक्निकल स्टाफ की सेवायें भी उनको उपलब्ध कर दी गई है ।

(घ) अगर यह रोग बहुत संक्रामक हो तो काफी नुकसान हो सकता है, क्योंकि विशेषकर फसल पकने वाली है और दाना कोमल है ।

कालपी के निकट यमुना नदी पर सड़क का पुल

*९८४. **श्री लच्छी राम** : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री १९ मार्च, १९५८ के तारांकित प्रश्न संख्या १०६९ के उत्तर के सम्बन्ध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि मध्य रेलवे के कालपी स्टेशन के निकट यमुना नदी के पुल पर लकड़ी पाट कर सड़क तैयार करने के सम्बन्ध में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राज बहादुर) : आजकल "रेल और सड़क के जुड़वां पुल" को लकड़ी के तख्तों से पाटने के खाके की तफ़सील रेलवे विभाग के अधिकारियों द्वारा तैयार की जा

रही है। रेल के पुल तक पहुंचने वाली सड़कों के रास्ते और जगह निश्चित करने के लिये भी जांच जारी है।

Kurduwadi-Miraj Rail Link

*985. **Shri Balasaheb Patil:** Will the Minister of Railways be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 1270 on the 27th March, 1958, and state:

(a) whether the survey reports for the construction of a broad gauge Railway line between Kurduwadi and Miraj have been finalised;

(b) if so, when the actual construction will begin; and

(c) what are estimated costs for the same?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) The Survey Report for conversion into B.G. has almost been finalised. Meanwhile directions have been given for making an appreciation of the Miraj-Kurduwadi conversion into M.G. and also for comments on the possibilities of Kurduwadi-Latur conversion to M.G. and its further extension upto Purli-Vaijnath. Since these aspects are being looked into by the Railway it will take some time more to get the survey reports.

(b) and (c). Do not arise.

Chittaranjan Locomotive Works

*986. **Shri Ajit Singh Sarhadi:** Will the Minister of Railways be pleased to state the present percentage of foreign imports and its value in the production of locomotives in Chittaranjan Locomotive Works?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy):

The value of imported materials and components for a W.G. class locomotive now being manufactured at Chittaranjan Locomotive Works is about Rs. 1·23 lakhs (total cost being 4·6 lakhs), broken up in 3 main groups as under:—

	Rs.	
(i) Raw materials and rough components not yet available either fully or even partly from indigenous sources .	36,900	(30%)
(ii) Components which are normally bought out items for all locomotive manufactures and which are not proposed to be manufactured at Chittaranjan Locomotive Works . .	55,350	(45%)
(iii) Components in respect of which capacity is being progressively developed at Chittaranjan to eliminate imports completely .	30,750	(25%)

Closure of Rail Link between Bihar, North Bengal and Assam

*987. **Shri L. Achaw Singh:**
Shri Rajendra Singh:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether the rail link between Bihar and North Bengal and Assam has been closed due to flood conditions between Katihar and Siliguri since the 17th August, 1958;

(b) the number of breaches which occurred due to the floods;

(c) if so, the number of passenger stranded on both sides of breaches;

(d) the nature of relief given to these passengers and alternative means of transit made available for them;

(e) how long the dislocation of the train services on the N.E.F. Railway lasted; and

(f) the steps taken for the resumption of train services?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) to (f). A statement is laid on the Table of the House. [*See* Appendix IV, annexure No. 42.]